



अरे वर्ष के हर्ष!	खुशी का प्रतीक
मेरे पागल बादल!	मदमस्ती का प्रतीक
ऐ निर्बध!	बंधनहीन
ऐ स्वच्छंद!	स्वतंत्रता से घूमने वाले
ऐ उद्दाम!	भयहीन
ऐ सम्राट!	सर्वशक्तिशाली
ऐ विप्लव के प्लावन!	प्रलय या क्रांति
ऐ अनंत के चंचल शिशु सुकुमार!	बच्चों के समान चंचल

9. कवि बादलों को किस रूप में देखता है? कालिदास ने मेघदूत काव्य में मेघों को दूत के रूप में देखा। आप अपना कोई काल्पनिक बिंब दीजिए।

उत्तर:- कवि बादलों को क्रांति के प्रतीक रूप में देखता है। मैं बादल को किसानों के मसीहा के रूप में देखता हूँ।

कब आएगा बादल नभ में

बूँद- बूँद को अन्न ये तरसे

अब तू बरखा लाएगा

इनका जीवन सफल कर जाएगा

10. कविता को प्रभावी बनाने के लिए कवि विशेषणों

का सायास प्रयोग करता है जैसे – अस्थिर सुख।

सुख के साथ अस्थिर विशेषण के प्रयोग ने सुख के अर्थ में विशेष प्रभाव पैदा कर दिया है। ऐसे अन्य विशेषणों को कविता से छाँटकर लिखें तथा बताएँ कि ऐसे शब्द-पदों के प्रयोग से कविता के अर्थ में क्या विशेष प्रभाव पैदा हुआ है?

उत्तर:- कवि ने कविता में निम्नलिखित विशेषणों का प्रयोग किया है –

निर्दय विप्लव	विप्लव (विनाश) के साथ निर्दय विशेषण लगने से विनाश और अधिक क्रूर हो गया है।
दग्ध हृदय	दुःख की अधिकता व संतपत्ता हेतु दग्ध विशेषण।
सुप्त अंकुर	सुप्त विशेषण अंकुरों की मिट्टी में दबी हुई स्थिति का घोटक है।
गगन-स्पर्शी	बादलों की अत्याधिक ऊँचाई बताने हेतु गगन।
जीर्ण बाहु	भुजाओं की दुर्बलता।
रुद्ध कोष	भरे हुए खजानों हेतु।

***** END *****